CUET-UG Hindi Sample Paper-3

Duration: 1 Hour **Maximum Marks: 250**

Instructions

- This paper contains a total of 50 Multiple Choice Questions.
- Each correct answer carries **+5 marks**.
- Each incorrect answer carries **-1 mark**.
- No negative marking for unattempted questions.

गद्यांश 1: साहित्यिक गद्यांश

गद्यांश 1: संस्कृति किसी राष्ट्र की आत्मा होती है और साहित्य उस आत्मा की अभिव्यक्ति। यदि हम भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की मीमांसा करें, तो पाएंगे कि इसमें समन्वय की एक अद्भुत शक्ति रही है। आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक, भारतीय साहित्य ने विभिन्न विचारधाराओं को अपने भीतर आत्मसात किया है। वैदिक ऋचाओं के दार्शनिक चिंतन से लेकर कबीर की फक्कड़ता और तुलसी की लोक–मंगलकारी दृष्टि तक, एक ही सूत्र पिरोया हुआ है—'वसुधैव कुटुंबकम्'। वर्तमान युग में, बाज़ारवाद के अनियंत्रित प्रसार ने हमारी सांस्कृतिक जड़ों को झकझोर दिया है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने मनुष्य को केवल एक 'क्रेता' बना दिया है, जिससे संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है। आज का युवा पश्चिमी चकाचौंध में अपनी भाषाई अस्मिता को भूलता जा रहा है। अनुवादित साहित्य की बढ़ती मांग ने मौलिक लेखन के समक्ष चुनौतियां पेश की हैं। हालांकि, तकनीक ने साहित्य के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, किंतु डिजिटल युग की 'सूचना की बाढ़' ने गहराई को कम कर दिया है। आलोचनात्मक विवेक के बिना किसी भी साहित्य का जीवित रहना असंभव है। नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि बिना अपनी जड़ों को सींचे, वे विश्व के विशाल वृक्ष का हिस्सा नहीं बन सकते। अतः यह अनिवार्य है कि हम अपनी साहित्यिक परंपरा का पुनर्मूल्यांकन करें और उसे आधुनिक संदर्भों में परिभाषित करें ताकि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन सके।

Q1. गद्यांश के अनुसार 'भारतीय संस्कृति' की सबसे बड़ी शक्ति क्या है?

(A) सैन्य बल

(B) समन्वय की शक्ति

(C) आर्थिक संपन्नता

(D) तकनीकी विकास

Q2. 'वसुधैव कुटुंबकम्' का सूत्र साहित्य में किस रूप में प्रकट होता है?

(A) संकुचित राष्ट्रवाद

(B) विश्व बंधुत्व

(C) व्यक्तिगत लाभ

(D) केवल धार्मिक प्रचार

Q3. बाज़ारवाद ने मनुष्य की पहचान को किस प्रकार प्रभावित किया है?

(A) उसे दार्शनिक बना दिया है

(B) उसे केवल 'क्रेता' में बदल दिया है

(C) उसे संवेदनशील बनाया है

(D) उसे आत्मनिर्भर बनाया है

Q4. लेखक ने 'सूचना की बाढ़' का उल्लेख किस संदर्भ में किया है?

(A) पुस्तकालयों की कमी

(B) डिजिटल युग की अधिक जानकारी और कम गहराई

(C) इंटरनेट की अनुपलब्धता

(D) समाचार पत्रों की महत्ता

Q5. साहित्य के अस्तित्व के लिए लेखक ने किसे 'अनिवार्य' माना है?

(A) भारी विज्ञापन को

(B) आलोचनात्मक विवेक को

(C) विदेशी अनुवाद को

(D) सरकारी सहायता को

Q6. 'अस्मिता' शब्द का गद्यांश के संदर्भ में क्या अर्थ है?

(A) अहंकार

(B) पहचान

(C) पराजय

(D) वैभव

गद्यांश 2: वृत्तांत

गद्यांश 2: भारतीय स्वाधीनता संग्राम केवल अस्त्र–शस्त्रों का संघर्ष नहीं था, बल्कि यह वैचारिक धरातल पर लड़ी गई एक ऐसी लड़ाई थी जिसमें साहित्यकारों ने अपनी लेखनी को तलवार से अधिक धारदार बना दिया था। उस कालखंड में प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी और सुभद्रा कुमारी चौहान जैसे रचनाकारों ने जनमानस में राष्ट्रभक्ति का जो बीजारोपण किया, उसका प्रभाव अतुलनीय था। एक बार की घटना है, जब बनारस के एक छोटे से गाँव में एक युवा लेखक अपनी नई रचना को लेकर संशय में था। वह सोच रहा था कि क्या उसकी कविताएँ उस समय की कठोर सेंसरशिप और ब्रिटिश दमन चक्र के सामने टिक पाएंगी? उस युवा ने मुंशी प्रेमचंद से भेंट की। प्रेमचंद ने उसकी पांडुलिपि को सरसरी निगाह से देखा और मुस्कुराते हुए कहा, "साहित्य वह जादू है जो जीवन की कड़वाहट को क्रांति की मिठास में बदल देता है। यदि तुम्हारे शब्दों में सच्चाई है, तो तुम्हें किसी साम्राज्य से डरने की आवश्यकता नहीं है।"

यह शब्द उस युवा के लिए संजीवनी बन गए। उस समय की साहित्यिक पत्रिकाओं, जैसे 'प्रताप' और 'हंस', ने न केवल सूचनाएँ प्रसारित कीं, बल्कि वे प्रतिरोध की प्रतीक बन गईं। तत्कालीन समय में वृत्तांतों का प्रयोग जनता को संगठित करने के लिए किया जाता था। लेखकों ने लोककथाओं और ऐतिहासिक नायकों के वृत्तांतों को आधुनिक संदर्भों में ढालकर प्रस्तुत किया। उदाहरण के लिए, झाँसी की रानी के बलिदान को कविता के माध्यम से हर घर तक पहुँचाया गया। ब्रिटिश सरकार ने कई बार इन रचनाओं को ज़ब्त किया, लेकिन विचार कभी कैद नहीं किए जा सके। जेल की कालकोठरियों में भी कविताएँ लिखी गईं, जो बाहर आकर मशाल बन गईं। यह दौर गवाह है कि जब–जब सत्ता निरंकुश होती है, वृत्तांत और साहित्य ही वह पुल बनते हैं जिस पर चलकर आम जनता न्याय के द्वार तक पहुँचती है। इस वृत्तांत का सार यही है कि शब्दों की शक्ति भौतिक शक्ति से कहीं अधिक स्थायी और परिवर्तनकारी होती है।

Q7. लेखक के अनुसार स्वाधीनता संग्राम में साहित्यकारों की मुख्य भूमिका क्या थी?

(A) वे केवल राजाओं की प्रशंसा करते थे।

(B) उन्होंने अपनी लेखनी से जनमानस में राष्ट्रभक्ति का संचार किया।

(C) वे ब्रिटिश सरकार के लिए जासूसी करते थे।

(D) उन्होंने केवल आर्थिक समस्याओं पर लिखा।

Q8. प्रेमचंद ने युवा लेखक को क्या सलाह दी थी?

(A) कि वह लिखना छोड़ दे और सेना में भर्ती हो जाए।

(B) कि सच्चाई होने पर उसे किसी भी साम्राज्य से डरने की ज़रूरत नहीं है।

(C) कि उसे केवल मनोरंजन के लिए लिखना चाहिए।

(D) कि वह सेंसरशिप के नियमों का कड़ाई से पालन करे।

Q9. 'प्रताप' और 'हंस' जैसी पत्रिकाओं का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है?

(A) मनोरंजन और गपशप के साधन के रूप में।

(B) व्यापारिक विज्ञापनों के माध्यम के रूप में।

(C) प्रतिरोध की प्रतीक और सूचना के प्रसारक के रूप में।

(D) सरकारी राजपत्र के रूप में।

Q10. गद्यांश में 'झाँसी की रानी' का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(A) ऐतिहासिक नायकों के माध्यम से जनता को संगठित करने के लिए।

(B) इतिहास की परीक्षा की तैयारी के लिए।

(C) केवल कविता की प्रशंसा करने के लिए।

(D) महिला शिक्षा पर ज़ोर देने के लिए।

Q11. 'साहित्य वह जादू है जो जीवन की कड़वाहट को क्रांति की मिठास में बदल देता है'—इस पंक्ति का भाव क्या है?

(A) साहित्य एक काल्पनिक दुनिया है।

(B) साहित्य समस्याओं को सुलझाने की शक्ति रखता है।

(C) साहित्य केवल कड़वी बातें सिखाता है।

(D) साहित्यकारों को जादू टोना आना चाहिए।

Q12. गद्यांश के संदर्भ में 'संजीवनी' शब्द का क्या अर्थ है?

(A) मृत्युदंड देना।

(B) नया जीवन या प्रेरणा देने वाला।

(C) एक प्रकार का विष।

(D) चिकित्सा पद्धति।

गद्यांश 3: तथ्यात्मक

गद्यांश 3: भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति के रूप में उभरा है। वर्ष 2016 के विमुद्रीकरण के पश्चात, देश में 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (UPI) के आगमन ने वित्तीय लेन–देन के परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत विश्व में प्रति माह सर्वाधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन करने वाला देश बन गया है। भारत की इस सफलता के पीछे 'त्रिमूर्ति' (JAM) यानी जन–धन, आधार और मोबाइल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच 45% से अधिक हो गई है, जिससे कृषि–तकनीक (Agri–tech) और ई–कॉमर्स को नया आधार मिला है। सरकार के 'डिजिटल इंडिया' मिशन के तहत, अब तक 1.2 अरब से अधिक आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो नागरिकों की डिजिटल पहचान सुनिश्चित करते हैं।

हालाँकि, इस प्रगति के साथ–साथ 'डिजिटल डिवाइड' (डिजिटल विभाजन) की चुनौती भी सामने आई है। जहाँ शहरी क्षेत्रों में उच्च गति का 5G नेटवर्क उपलब्ध है, वहीं दूरदराज के क्षेत्रों में अभी भी कनेक्टिविटी की समस्या बनी हुई है। साइबर सुरक्षा एक अन्य गंभीर विषय है; वित्तीय साक्षरता की कमी के कारण साइबर धोखाधड़ी के मामलों में प्रतिवर्ष 20–25% की वृद्धि देखी जा रही है। डेटा गोपनीयता (Data Privacy) को लेकर नए कानून बनाए जा रहे हैं ताकि नागरिकों की जानकारी सुरक्षित रहे। यदि भारत को 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे अपनी डिजिटल बुनियादी संरचना को और अधिक लचीला और सुरक्षित बनाना होगा। इसके साथ ही, स्थानीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री की उपलब्धता बढ़ाना अनिवार्य है ताकि अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी इस व्यवस्था का लाभ उठा सके।

Q13. गद्यांश के अनुसार, भारत की डिजिटल सफलता के पीछे 'JAM' त्रिमूर्ति का क्या अर्थ है?

(A) जल, आकाश, मृदा

(B) जन–धन, आधार, मोबाइल

(C) जनता, आमदनी, मशीन

(D) जीवन, आधार, मानक

Q14. डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत की वर्तमान वैश्विक स्थिति क्या है?

(A) भारत तकनीकी रूप से पिछड़ रहा है।

(B) भारत प्रति माह सर्वाधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन करने वाला देश है।

(C) भारत केवल नकद लेन–देन पर निर्भर है।

(D) भारत केवल 5G निर्यात करता है।

Q15. 'डिजिटल डिवाइड' (डिजिटल विभाजन) से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(A) कंप्यूटर को दो भागों में तोड़ना।

(B) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल पहुंच का अंतर।

(C) डेटा को अलग–अलग फाइलों में रखना।

(D) केवल 5G और 4G के बीच का अंतर।

Q16. साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मुख्य चुनौती क्या बताई गई है?

(A) स्मार्टफोन की कमी।

(B) वित्तीय साक्षरता की कमी और धोखाधड़ी में वृद्धि।

(C) इंटरनेट का बहुत सस्ता होना।

(D) आधार कार्ड का न होना।

Q17. 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्या आवश्यक है?

(A) डिजिटल बुनियादी ढांचे को लचीला और सुरक्षित बनाना।

(B) केवल कृषि पर ध्यान देना।

(C) डिजिटल ट्रांजैक्शन को बंद करना।

(D) विदेशी मुद्रा पर पूर्ण निर्भरता।

Q18. 'अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति' तक लाभ पहुँचाने के लिए क्या सुझाव दिया गया है?

(A) उसे मुफ्त मोबाइल देना।

(B) स्थानीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराना।

(C) केवल अंग्रेजी शिक्षा अनिवार्य करना।

(D) इंटरनेट के दाम बढ़ाना।

शब्द भंडार

Q19. 'स्थावर' का उपयुक्त विलोम शब्द है:

(A) चेतन

(B) जंगम

(C) जड़

(D) सचल

Q20. 'उन्मूलन' शब्द का सही विलोम चुनिए:

(A) रोपण

(B) उत्थान

(C) पतन

(D) निमीलन

Q21. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'बादल' का पर्यायवाची नहीं है?

(A) जलद

(B) नीरद

(C) वारिधि

(D) मेघ

Q22. 'व्योम' का पर्यायवाची शब्द है:

(A) अंतरिक्ष

(B) धरा

(C) अंबर

(D) A और C दोनों

Q23. 'पावक' किसका पर्यायवाची है?

(A) जल

(B) अग्नि

(C) वायु

(D) पृथ्वी

Q24. 'अथ' का विलोम शब्द क्या है?

(A) अंत

(B) इति

(C) अर्थ

(D) अधः

Q25. निम्नलिखित में से 'अमृत' का पर्यायवाची शब्द समूह कौन–सा सही है?

(A) पीयूष, सुधा, अमि

(B) वारि, तोय, सलिल

(C) अनल, पावक, दहन

(D) मधुप, अलि, भृंग

Q26. 'अज्ञ' शब्द के लिए सही विलोम का चयन कीजिए:

(A) अल्पज्ञ

(B) सर्वज्ञ

(C) विज्ञ

(D) अनभिज्ञ

Q27. किस विकल्प में 'कुंजर' का पर्यायवाची शब्द दिया गया है?

(A) मृगराज

(B) गजराज

(C) खगराज

(D) नागराज

Q28. 'जंगम' का सटीक विलोम शब्द है:

(A) स्थिर

(B) स्थावर

(C) भयानक

(D) दुर्जेय

Q29. 'अरविंद' शब्द का पर्यायवाची क्या है?

(A) कमल

(B) गुलाब

(C) कल्पवृक्ष

(D) केवड़ा

Q30. 'उन्मीलन' का सही विलोम शब्द चुनिए:

(A) अवमीलन

(B) सुमीलन

(C) निमीलन

(D) अनुमीलन

मौखिक योग्यता

Q31. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: जिससे पर्यावरण दूषित हो रहा है।

Q: आज प्लास्टिक का प्रयोग बढ़ गया है,

R: जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

S: हमें इसके विकल्प तलाशने होंगे,

(A) QPSR

(B) PQRS

(C) QRSP

(D) SQRP

Q32. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: और देश के भविष्य को

Q: शिक्षा का मुख्य उद्देश्य

R: उज्ज्वल बनाना होना चाहिए

S: केवल उपाधियाँ प्राप्त करना नहीं,

(A) QSPR

(B) QSRP

(C) PSQR

(D) SRPQ

Q33. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: भाषा के बिना मनुष्य

Q: एक असहाय प्राणी की भाँति है,

R: अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में

S: जो समाज में विचार–विमर्श और

(A) PRSQ

(B) PQRS

(C) RPQS

(D) PRQS

Q34. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: मनुष्य की सफलता का आधार

Q: उसके द्वारा किए गए कठिन परिश्रम

R: और उसकी अडिग इच्छाशक्ति में

S: ही सदैव निहित होता है।

(A) PQRS

(B) QSPR

(C) RSPQ

(D) SQRP

Q35. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: भारतीय संस्कृति ने सदैव ही

Q: पूरे विश्व को एक परिवार मानकर

R: 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को

S: सर्वोपरि स्थान दिया है।

(A) PQRS

(B) RPQS

(C) PRQS

(D) QSRP

Q36. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: प्रदूषण की समस्या आज

Q: एक विकराल रूप धारण कर चुकी है,

R: जिसे समय रहते नियंत्रित करना

S: संपूर्ण मानवता के हित में है।

(A) PQRS

(B) QRPS

(C) PRQS

(D) SQRP

Q37. वाक्यों को सही क्रम में लगाकर एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ:

P: हिंदी साहित्य के विकास में

Q: आधुनिक काल का विशेष महत्व है,

R: जिसमें खड़ी बोली ने गद्य और पद्य

S: दोनों विधाओं को नई दिशा प्रदान की।

(A) PQRS

(B) QPSR

(C) RPQS

(D) SPRQ

Q38. "आज की सभा में ____ विद्वानों का आगमन हुआ।"

(A) लब्धप्रतिष्ठ

(B) प्रतिष्ठित

(C) प्रसिद्ध

(D) उपर्युक्त सभी

Q39. "अपराधी को न्यायालय द्वारा ____ दिया गया।"

(A) दंड

(B) पुरस्कार

(C) न्याय

(D) उपदेश

Q40. "गांधी जी का जीवन अनुशासन और ____ का एक अनुपम उदाहरण था।"

(A) विलासिता

(B) शुचिता

(C) संकीर्णता

(D) अकर्मण्यता

Q41. "साहित्यिक गोष्ठी में उपस्थित सभी विद्वानों ने अपनी ____ प्रतिक्रियाएँ व्यक्त कीं।"

(A) अनर्गल

(B) मौलिक

(C) निरर्थक

(D) भ्रामक

Q42. "विज्ञान ने जहाँ मनुष्य को अनेक सुख–सुविधाएँ दी हैं, वहीं उसके भीतर ____ की भावना को भी जन्म दिया है।"

(A) परोपकार

(B) अहमवाद

(C) सहानुभूति

(D) संतोष

Q43. स्तंभ 1 (मुहावरा) का स्तंभ 2 (अर्थ) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (मुहावरा)	स्तंभ 2 (अर्थ)
1. इति श्री होना	(i) बहुत प्यारा होना
2. श्री गणेश करना	(ii) समाप्त होना
3. आँखों का तारा	(iii) शुरू करना
4. गागर में सागर भरना	(iv) संक्षेप में गहरी बात कहना

(A) 1–(ii), 2–(iii), 3–(i), 4–(iv)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(iii), 2–(ii), 3–(iv), 4–(i)

(D) 1–(iv), 2–(i), 3–(ii), 4–(iii)

Q44. संधि के प्रकारों का सही मिलान कीजिए:

स्तंभ 1 (शब्द)	स्तंभ 2 (संधि का नाम)
1. हिमालय	(i) विसर्ग संधि
2. परोपकार	(ii) दीर्घ स्वर संधि
3. प्रत्येक	(iii) गुण स्वर संधि
4. निश्चल	(iv) यण स्वर संधि

(A) 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(iii), 2–(iv), 3–(i), 4–(ii)

(D) 1–(iv), 2–(i), 3–(ii), 4–(iii)

Q45. वाक्यांश के लिए एक शब्द का मिलान कीजिए:

स्तंभ 1 (वाक्यांश)	स्तंभ 2 (एक शब्द)
1. जो कभी न मरे	(i) अजेय
2. जिसे जीता न जा सके	(ii) अमर
3. जानने की इच्छा रखने वाला	(iii) अज्ञेय
4. जिसे जाना न जा सके	(iv) जिज्ञासु

(A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(iv), 2–(iii), 3–(ii), 4–(i)

(D) 1–(iii), 2–(iv), 3–(i), 4–(ii)

Q46. तत्सम–तद्भव शब्दों का सही मिलान कीजिए:

स्तंभ 1 (तत्सम)	स्तंभ 2 (तद्भव)
1. अग्नि	(i) आम
2. आम्र	(ii) आँख
3. अक्षि	(iii) आग
4. मयूर	(iv) मोर

(A) 1–(iii), 2–(i), 3–(ii), 4–(iv)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i)

(D) 1–(iv), 2–(i), 3–(ii), 4–(iii)

Q47. समास के भेदों का सही मिलान कीजिए:

स्तंभ 1 (शब्द)	स्तंभ 2 (समास)
1. रातों–रात	(i) द्विगु समास
2. पंचवटी	(ii) द्वंद्व समास
3. भाई–बहन	(iii) अव्ययीभाव समास
4. लंबोदर	(iv) बहुव्रीहि समास

(A) 1–(iii), 2–(i), 3–(ii), 4–(iv)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i)

(D) 1–(iv), 2–(i), 3–(ii), 4–(iii)

Q48. 'हाथ कंगन को आरसी क्या' का अर्थ है:

(A) प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं

(B) अमीर होना

(C) सुंदर दिखना

(D) कंगन पहनना

Q49. 'आकाश–पाताल एक करना' का तात्पर्य है:

(A) बहुत परिश्रम करना

(B) ऊँचा उड़ना

(C) लड़ाई करना

(D) यात्रा करना

Q50. 'काठ की हांडी बार–बार नहीं चढ़ती' का अर्थ है:

(A) छल–कपट का व्यवहार हमेशा नहीं चलता

(B) बर्तन खराब होना

(C) खाना बनाना

(D) मजबूरी में काम करना

Detailed Solutions

Q1.

Solution

संकल्पना: गद्यांश साहित्य की वर्तमान स्थिति और उसमें आ रही गिरावटों पर प्रकाश डालता है। आलोचना (Criticism) का मूल कार्य साहित्य की कमियों और खूबियों का निष्पक्ष विश्लेषण करना होता है, ताकि साहित्य का 'शुद्धिकरण' हो सके।

समाधान: लेखक के अनुसार, वर्तमान समय में आलोचना की विधा अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है। जहाँ पहले यह साहित्य को बेहतर बनाने का कार्य करती थी, वहीं अब यह केवल व्यक्तिगत संबंधों को निभाने या 'व्यक्तिगत प्रशंसा' करने तक ही सीमित रह गई है। गद्यांश में इसे साहित्य की गुणवत्ता के लिए एक चुनौती माना गया है।

अंतिम उत्तर: वह केवल व्यक्तिगत प्रशंसा का साधन बन गई है।

Answer: (B)

Q2.

Solution

संकल्पना: भारतीय काव्यशास्त्र में 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' का अर्थ है—वह रचना जो शाश्वत सत्य पर आधारित हो (सत्य), लोक-कल्याण की भावना से युक्त हो (शिव) और कलात्मक रूप से आनंद प्रदान करने वाली हो (सुंदरम्)।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, साहित्य केवल मनोरंजन नहीं है। जब साहित्य अपनी श्रेष्ठता को प्राप्त करता है, तो वह समाज के लिए मार्गदर्शक बनता है। 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' की अवधारणा यह सुनिश्चित करती है कि साहित्य सत्य और लोक-मंगल (कल्याण) के साथ-साथ सौंदर्य का भी संवाहक बने।

अंतिम उत्तर: सत्य और कल्याण से युक्त सौंदर्यपरक रचना।

Answer: (B)

Q3.

Solution

संकल्पना: साहित्य के इतिहास में 'भक्ति काल' को स्वर्ण युग माना जाता है। यहाँ लेखक ने स्पष्ट किया है कि तत्कालीन कवियों की वाणी केवल व्यक्तिगत मोक्ष या ईश्वर आराधना तक सीमित नहीं थी।

समाधान: लेखक के अनुसार, भक्ति काल के महान कवि तुलसीदास और कबीरदास के पदों में जो ऊर्जा थी, वह वास्तव में एक 'सामाजिक क्रांति का उद्घोष' थी। उन्होंने समाज की कुरीतियों, पाखंडों और भेदभाव पर प्रहार कर एक समतावादी समाज की नींव रखने का प्रयास किया, जिसे केवल आध्यात्मिक कहना पर्याप्त नहीं है।

अंतिम उत्तर: वह सामाजिक क्रांति का उद्घोष था।

Answer: (C)

Q4.

Solution

संकल्पना: 'भाषाई अस्मिता' का अर्थ है अपनी भाषा के प्रति गौरव और पहचान का भाव। वैश्वीकरण (Globalization) के कारण वैश्विक भाषाओं का प्रभाव बढ़ता है, जिससे स्थानीय भाषाओं के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाता है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, आधुनिक समय में वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव ने हमारी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों को प्रभावित किया है। बाज़ार की माँग और वैश्विक जुड़ाव के कारण लोग अपनी मातृभाषा और उससे जुड़ी पहचान (अस्मिता) को खोते जा रहे हैं।

अंतिम उत्तर: वैश्वीकरण का प्रभाव।

Answer: (B)

Q5.

Solution

संकल्पना: अनुवाद एक भाषा के विचारों को दूसरी भाषा में पहुँचाने का कार्य करता है। यद्यपि इसके सकारात्मक पक्ष हैं, किंतु अत्यधिक निर्भरता से मौलिक चिंतन और सृजन (Originality) पर प्रभाव पड़ता है।

समाधान: गद्यांश में बताया गया है कि अनुवाद की संस्कृति ने हमें विश्व साहित्य के निकट तो ला दिया है, लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि लेखकों में 'मौलिकता' की कमी आती जा रही है। रचनाकार स्वयं के मौलिक अनुभव लिखने के बजाय अनूदित साँचों से प्रभावित हो रहे हैं।

अंतिम उत्तर: मौलिकता का ह्रास हो रहा है।

Answer: (B)

Q6.

Solution

संकल्पना: भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती, बल्कि वह एक पूरी संस्कृति, इतिहास और परंपरा को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ले जाने का वाहन (संवाहिका) होती है।

समाधान: लेखक युवा पीढ़ी को आगाह करते हैं कि वे भाषा को केवल एक उपकरण न समझें। यदि युवा अपनी भाषा छोड़ देंगे, तो वे अपनी संस्कृति से भी कट जाएँगे। अतः भाषा को उनकी सांस्कृतिक पहचान और विरासत को आगे बढ़ाने वाली 'संवाहिका' के रूप में देखा जाना चाहिए।

अंतिम उत्तर: यह संस्कृति की संवाहिका है।

Answer: (C)

Q7.

Solution

संकल्पना: स्वाधीनता संग्राम के दौरान साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जनजागृति था। लेखकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता को मानसिक रूप से स्वतंत्र होने और राष्ट्र के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी और सुभद्रा कुमारी चौहान जैसे साहित्यकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से सोए हुए जनमानस को जगाया। उन्होंने कविता और कहानियों के जरिए राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया, जिससे जनता संगठित होकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खड़ी हो सकी। विकल्प (A), (C) और (D) गद्यांश के तथ्यों के विपरीत हैं।

अंतिम उत्तर: उन्होंने अपनी लेखनी से जनमानस में राष्ट्रभक्ति का संचार किया।

Answer: (B)

Q8.

Solution

संकल्पना: साहित्यकार का साहस उसके सत्य और निष्पक्षता में निहित होता है। प्रेमचंद का मानना था कि साहित्य में वह शक्ति है जो समाज में बदलाव ला सकती है और दमनकारी शक्तियों का सामना कर सकती है।

समाधान: जब युवा लेखक सेंसरशिप के डर से संशय में था, तब मुंशी प्रेमचंद ने उसे प्रोत्साहित करते हुए सलाह दी कि यदि उसके लेखन में 'सच्चाई' है, तो उसे ब्रिटिश साम्राज्य या किसी भी बाहरी शक्ति से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने साहित्य को 'जादू' की संज्ञा दी जो कड़वाहट को क्रांति में बदल सकता है।

अंतिम उत्तर: सच्चाई होने पर उसे किसी भी साम्राज्य से डरने की ज़रूरत नहीं है।

Answer: (B)

Q9.

Solution

संकल्पना: पत्रकारिता स्वाधीनता संग्राम का एक प्रमुख स्तंभ थी। उस समय की पत्रिकाओं का उद्देश्य व्यापारिक लाभ नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद की लहर को जन–जन तक पहुँचाना था।

समाधान: गद्यांश में 'प्रताप' और 'हंस' का उल्लेख यह दर्शाने के लिए किया गया है कि वे केवल सूचना प्रसारित करने के माध्यम नहीं थे। वे ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक 'प्रतीक' के रूप में उभरे। इन पत्रिकाओं ने क्रांतिकारी विचारों को मंच दिया और ब्रिटिश दमन के खिलाफ प्रतिरोध की आवाज़ को बुलंद किया।

अंतिम उत्तर: प्रतिरोध के प्रतीक और सूचना के प्रसारक के रूप में।

Answer: (C)

Q10.

Solution

संकल्पना: ऐतिहासिक पात्रों का उपयोग अक्सर वर्तमान संघर्षों के लिए प्रेरणा के रूप में किया जाता है। सुभद्रा कुमारी चौहान जैसी लेखिकाओं ने झाँसी की रानी के बलिदान को इसलिए दोहराया ताकि आम नागरिक अपनी शक्ति पहचान सकें।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, तत्कालीन लेखकों ने ऐतिहासिक नायकों के वृत्तांतों का उपयोग जनता को संगठित करने के लिए किया था। झाँसी की रानी का उदाहरण यह बताने के लिए दिया गया है कि कैसे एक कविता के माध्यम से उनके बलिदान की गाथा हर घर तक पहुँची और लोगों में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खड़े होने का साहस जगाया।

अंतिम उत्तर: ऐतिहासिक नायकों के माध्यम से जनता को संगठित करने के लिए।

Answer: (A)

Q11.

Solution

संकल्पना: यह पंक्ति साहित्य की 'परिवर्तनकारी शक्ति' (Transformative Power) को रेखांकित करती है। साहित्य केवल समस्याओं का वर्णन नहीं करता, बल्कि उन्हें हल करने का जोश भी पैदा करता है।

समाधान: इस पंक्ति का गहरा भाव यह है कि साहित्य में वह सामर्थ्य है जो जीवन की विषमताओं, दुखों और गुलामी की कड़वाहट को समझकर उसे न्यायपूर्ण बदलाव (क्रांति) की प्रेरणा में बदल दे। यह साहित्य को समाज सुधार और चेतना जागृत करने वाले एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में प्रस्तुत करता है।

अंतिम उत्तर: साहित्य समस्याओं को सुलझाने की शक्ति रखता है।

Answer: (B)

Q12.

Solution

संकल्पना: 'संजीवनी' मूलतः रामायण काल की वह औषधी है जो मृतप्राय व्यक्ति को पुनर्जीवित कर देती है। साहित्य और भाषा में इसका प्रयोग लाक्षणिक रूप से ऐसी वस्तु या विचार के लिए किया जाता है जो हताशा में नई ऊर्जा भर दे।

समाधान: गद्यांश में युवा लेखक ब्रिटिश दमन और सेंसरशिप के कारण अत्यधिक डरा हुआ और संशय में था। प्रेमचंद के वचनों ने उसके मन के डर को दूर कर उसे सृजन के लिए पुनः प्रेरित किया। अतः यहाँ 'संजीवनी' का अर्थ किसी चिकित्सा पद्धति या विष से नहीं, बल्कि एक ऐसी 'प्रेरणा' से है जिसने लेखक के आत्मविश्वास को नया जीवन प्रदान किया।

अंतिम उत्तर: नया जीवन या प्रेरणा देने वाला।

Answer: (B)

Q13.

Solution

संकल्पना: भारत सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण के लिए 'JAM' पहल शुरू की गई थी। यह तीन स्तंभों का मेल है जो सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे नागरिक तक पहुँचाने में सहायक हैं।

समाधान: गद्यांश में 'JAM' त्रिमूर्ति का विस्तार इस प्रकार बताया गया है: 1. **J (जन–धन):** वित्तीय समावेशन के लिए बैंक खाते। 2. **A (आधार):** नागरिकों की विशिष्ट डिजिटल पहचान। 3. **M (मोबाइल):** संचार और लेन–देन का सुलभ माध्यम। इन तीनों के समन्वय ने ही भारत में डिजिटल क्रांति को संभव बनाया है।

अंतिम उत्तर: जन–धन, आधार, मोबाइल

Answer: (B)

Q14.

Solution

संकल्पना: डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। UPI (Unified Payments Interface) जैसे नवाचारों ने भारत को वैश्विक मंच पर अग्रणी बनाया है।

समाधान: गद्यांश के हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्तीय लेन–देन के परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। वर्तमान में भारत विश्व का वह देश है जहाँ प्रति माह सबसे अधिक संख्या में डिजिटल ट्रांजैक्शन (Digital Transactions) किए जाते हैं। यह भारत की मजबूत डिजिटल बुनियादी संरचना और जनता द्वारा तकनीक को अपनाने की क्षमता को दर्शाता है।

अंतिम उत्तर: भारत प्रति माह सर्वाधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन करने वाला देश है।

Answer: (B)

Q15.

Solution

संकल्पना: 'डिजिटल डिवाइड' (Digital Divide) वह आर्थिक और सामाजिक अंतर है जो उन लोगों के बीच होता है जिनके पास आधुनिक सूचना और संचार तकनीक (जैसे इंटरनेट) तक पहुँच है, और जिनके पास नहीं है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, भारत में डिजिटल प्रगति के बावजूद 'डिजिटल डिवाइड' एक बड़ी चुनौती है। लेखक ने बताया है कि शहरी क्षेत्रों में 5G जैसी उच्च तकनीक उपलब्ध है, जबकि ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी इंटरनेट कनेक्टिविटी की भी कमी है। अतः यह शब्द शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल संसाधनों की पहुँच में मौजूद अंतर को दर्शाता है।

अंतिम उत्तर: शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल पहुँच का अंतर।

Answer: (B)

Q16.

Solution

संकल्पना: तकनीकी विस्तार के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी अनिवार्य है। सुरक्षा केवल सॉफ्टवेयर पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उपयोगकर्ता की जागरूकता पर भी निर्भर करती है।

समाधान: गद्यांश में साइबर सुरक्षा को एक गंभीर विषय बताया गया है। इसका मुख्य कारण लोगों में 'वित्तीय साक्षरता' (Financial Literacy) की कमी है, जिसके चलते वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बन जाते हैं। इसी कारण प्रतिवर्ष धोखाधड़ी के मामलों में 20-25% की बढ़ोतरी देखी जा रही है। अतः वित्तीय साक्षरता की कमी और धोखाधड़ी में वृद्धि ही मुख्य चुनौती है।

अंतिम उत्तर: वित्तीय साक्षरता की कमी और धोखाधड़ी में वृद्धि।

Answer: (B)

Q17.

Solution

संकल्पना: किसी भी देश की आर्थिक प्रगति अब उसके डिजिटल इकोसिस्टम की मजबूती पर निर्भर करती है। बड़े आर्थिक लक्ष्यों (जैसे 5 ट्रिलियन डॉलर) को प्राप्त करने के लिए तकनीक को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना प्राथमिक शर्त है।

समाधान: गद्यांश में स्पष्ट उल्लेख है कि भारत को अपने बड़े आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अपनी डिजिटल बुनियादी संरचना (Infrastructure) को और अधिक लचीला (Resilient) और सुरक्षित बनाना होगा। इसका अर्थ है कि सिस्टम तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ साइबर हमलों से भी सुरक्षित रहे। विकल्प (B), (C) और (D) गद्यांश के सुझावों के विरुद्ध हैं।

अंतिम उत्तर: डिजिटल बुनियादी ढांचे को लचीला और सुरक्षित बनाना।

Answer: (A)

Q18.

Solution

संकल्पना: 'अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति' (Last Mile Person) उस वंचित वर्ग का प्रतीक है जो अक्सर भाषाई या भौगोलिक बाधाओं के कारण नई तकनीक का लाभ नहीं उठा पाता। समावेशी विकास के लिए इन बाधाओं को दूर करना आवश्यक है।

समाधान: लेखक का सुझाव है कि डिजिटल क्रांति का वास्तविक लाभ तब होगा जब वह समावेशी हो। इसके लिए 'स्थानीय भाषाओं' (Regional Languages) में डिजिटल कंटेंट और सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना अनिवार्य है। जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा में तकनीक का उपयोग नहीं कर पाएगा, तब तक डिजिटल सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

अंतिम उत्तर: स्थानीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराना।

Answer: (B)

Q19.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द वे शब्द होते हैं जो एक–दूसरे का विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। 'स्थावर' शब्द का प्रयोग ऐसी संपत्ति या वस्तु के लिए किया जाता है जो अचल हो।
समाधान: 'स्थावर' का अर्थ है जो स्थिर हो (जैसे भूमि, भवन)। इसका सटीक विलोम **'जंगम'** होता है, जिसका अर्थ है गतिशील या चलायमान। अन्य विकल्पों का विश्लेषण: – चेतन का विलोम 'जड़' होता है। – सचल का विलोम 'अचल' होता है।
अंतिम उत्तर: जंगम

Answer: (B)

Q20.

Solution

संकल्पना: 'उन्मूलन' शब्द का शाब्दिक अर्थ है किसी वस्तु को उसके मूल (जड़) से अलग कर देना या समाप्त कर देना।
समाधान: 'उन्मूलन' (उखाड़ना/समाप्त करना) का सही विलोम **'रोपण'** (लगाना/स्थापित करना) है। अक्सर परीक्षार्थी 'उन्मूलन' और 'निमीलन' में भ्रमित हो जाते हैं, परंतु 'निमीलन' का विलोम 'उन्मीलन' (आँखें खुलना) होता है। उत्थान का विलोम 'पतन' है।
अंतिम उत्तर: रोपण

Answer: (A)

Q21.

Solution

संकल्पना: पर्यायवाची शब्दों के अंत में लगने वाले प्रत्यय अर्थ बदल देते हैं। जैसे 'द' (देने वाला) बादल के लिए और 'धि' (धारण करने वाला) समुद्र के लिए प्रयुक्त होता है।

समाधान: दिए गए विकल्पों में: – जलद (जल + द), नीरद (नीर + द) और मेघ— ये सभी 'बादल' के पर्यायवाची हैं। – **वारिधि** (वारि + धि) का अर्थ है 'समुद्र'। जल के पर्यायवाची शब्दों के अंत में 'धि' या 'निधि' लगाने से वे समुद्र के पर्यायवाची बन जाते हैं।

अंतिम उत्तर: वारिधि

Answer: (C)

Q22.

Solution

संकल्पना: 'व्योम' शब्द का अर्थ विस्तृत आकाश या शून्य से है। हिन्दी व्याकरण में एक ही शब्द के कई समानार्थी शब्द हो सकते हैं जो अलग–अलग संदर्भों में प्रयुक्त होते हैं।

समाधान: 'व्योम' के पर्यायों का विश्लेषण: – **अन्तरिक्ष:** पृथ्वी और अन्य खगोलीय पिंडों के बीच का खाली स्थान। – **अंबर:** इसका अर्थ भी आकाश या वस्त्र होता है। चूँकि 'अन्तरिक्ष' और 'अंबर' दोनों ही 'व्योम' के समानार्थी हैं, इसलिए विकल्प (D) सर्वाधिक उपयुक्त है। 'धरा' पृथ्वी का पर्यायवाची है।

अंतिम उत्तर: A और C दोनों

Answer: (D)

Q23.

Solution

संकल्पना: पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान भाषा की सूक्ष्मता को समझने में मदद करता है। 'पावक' संस्कृत मूल का शब्द है जो पवित्र करने वाली अग्नि को दर्शाता है।

समाधान: 'पावक' **अग्नि** का पर्यायवाची है। अग्नि के अन्य महत्वपूर्ण पर्यायवाची शब्द हैं: अनल, पावक, दहन, वह्नि, और हुताशन। – जल के पर्यायवाची: नीर, तोय, वारि। – वायु के पर्यायवाची: पवन, समीर, अनिल। – पृथ्वी के पर्यायवाची: भू, भूमि, धरा।

अंतिम उत्तर: अिग्न

Answer: (B)

Q24.

Solution

संकल्पना: 'अथ' एक मंगलवाचक शब्द है जिसका उपयोग किसी ग्रंथ या कार्य के आरंभ में किया जाता है। विलोम शब्द के रूप में हमें इसके विपरीत 'समाप्ति' सूचक शब्द को चुनना होता है।

समाधान: 'अथ' (प्रारंभ) का निश्चित विलोम **'इति'** (समाप्ति) है। – 'अंत' का विलोम 'आदि' होता है। – 'अधः' का विलोम 'उपरि' होता है। – 'अथ' और 'इति' का जोड़ा संस्कृत और हिन्दी साहित्य में 'शुरुआत और अंत' के लिए मानक माना जाता है।

अंतिम उत्तर: इति

Answer: (B)

Q25.

Solution

संकल्पना: पर्यायवाची शब्द समूह में सभी शब्द एक ही अर्थ को व्यक्त करने चाहिए। अमृत के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द देव–आहार या जीवनदायी गुणों से संबंधित होते हैं।

समाधान: दिए गए समूहों का विश्लेषण: – **(A) पीयूष, सुधा, अमि:** ये सभी अमृत के सही पर्यायवाची हैं। – (B) वारि, तोय, सलिल: ये 'जल' के पर्यायवाची हैं। – (C) अनल, पावक, दहन: ये 'अग्नि' के पर्यायवाची हैं। – (D) मधुप, अलि, भृंग: ये 'भ्रमर' (भौंरा) के पर्यायवाची हैं।

अंतिम उत्तर: पीयूष, सुधा, अिम

Answer: (A)

Q26.

Solution

संकल्पना: 'अज्ञ' शब्द 'अ + ज्ञ' से बना है, जिसका अर्थ है 'जानकार न होना'। इसका विलोम वह होगा जिसका अर्थ 'जानकार' या 'बुद्धिमान' हो।

समाधान: 'अज्ञ' का सबसे उपयुक्त विलोम **'विज्ञ'** है। – 'अल्पज्ञ' (थोड़ा जानने वाला) का विलोम 'बहुज्ञ' होता है। – 'सर्वज्ञ' (सब कुछ जानने वाला) का विलोम 'अल्पज्ञ' होता है। – 'अनभिज्ञ' का विलोम 'अभिज्ञ' होता है। अतः मानक व्याकरण के अनुसार 'अज्ञ' और 'विज्ञ' का युग्म सही है।

अंतिम उत्तर: िवज्ञ

Answer: (C)

Q27.

Solution

संकल्पना: 'कुंजर' शब्द संस्कृत मूल का है जिसका अर्थ विशालकाय जीव अर्थात 'हाथी' होता है।

समाधान: विकल्पों का विश्लेषण: – **गजराज:** हाथी (कुंजर का सही पर्याय–वाची)। – मृगराज: सिंह (शेर)। – खगराज: गरुड़ (पक्षियों का राजा)। – नागराज: शेषनाग (सर्पों का राजा)। अतः 'कुंजर' के लिए 'गजराज' सबसे सटीक विकल्प है।

अंतिम उत्तर: गजराज

Answer: (B)

Q28.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द युग्मों में तत्सम शब्द का विलोम प्रायः तत्सम ही होता है। 'जंगम' और 'स्थावर' एक मानक विलोम युग्म हैं जो अक्सर संपत्ति (Movable vs Immovable) के संदर्भ में प्रयुक्त होते हैं।

समाधान: 'जंगम' का अर्थ है—जो चल सकता हो। इसका सटीक विलोम **'स्थावर'** है, जिसका अर्थ है—जो स्थिर हो। – 'स्थिर' का विलोम 'अस्थिर' या 'चंचल' होता है। – 'भयानक' का विलोम 'रमणीक' या 'सौम्य' होता है। – 'दुर्जेय' (जिसे जीतना कठिन हो) का विलोम 'सुजेय' होता है।

अंतिम उत्तर: स् थावर

Answer: (B)

Q29.

Solution

संकल्पना: संस्कृत में 'कमल' के सर्वाधिक पर्यायवाची उपलब्ध हैं। 'अरविंद' शब्द इसकी कोमलता और सुंदरता को दर्शाता है।

समाधान: 'अरविंद' **कमल** का पर्यायवाची है। कमल के अन्य महत्वपूर्ण पर्यायवाची शब्द हैं: राजीव, जलज, पंकज, नीरज, सरोज, और पुण्डरीक। – गुलाब, कल्पवृक्ष और केवड़ा अलग–अलग प्रजाति के वृक्ष या पुष्प हैं, जो इसके समानार्थी नहीं हैं।

अंतिम उत्तर: कमल

Answer: (A)

Q30.

Solution

संकल्पना: 'उन्मीलन' और 'निमीलन' शब्दों का प्रयोग मुख्य रूप से आँखों की क्रियाओं या कलियों के खिलने और बंद होने के संदर्भ में किया जाता है।

समाधान: 'उन्मीलन' का अर्थ है आँखों का खुलना (Opening of eyes)। इसका व्याकरणिक विलोम **'निमीलन'** है, जिसका अर्थ है आँखों का मूंदना या बंद होना (Closing of eyes)। – अन्य विकल्प जैसे अवमीलन, सुमीलन या अनुमीलन इस संदर्भ में अशुद्ध या असंगत हैं। – ध्यान दें: 'उन्मूलन' (उखाड़ना) का विलोम 'रोपण' होता है, इससे भ्रमित न हों।

अंतिम उत्तर: ि◌नमीलन

Answer: (C)

Q31.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्व्यवस्था में सबसे पहले मुख्य कर्ता या विषय को ढूँढा जाता है, उसके बाद क्रिया और कारण–प्रभाव के क्रम को जोड़ा जाता है ताकि विचार तार्किक रूप से स्पष्ट हों।

समाधान: दिए गए खंडों का विश्लेषण: – Q: आज प्लास्टिक का प्रयोग बढ़ गया है (यह मुख्य कथन है)। – P: जिससे पर्यावरण दूषित हो रहा है (यह Q का प्रत्यक्ष परिणाम है)। – S: हमें इसके विकल्प तलाशने होंगे (यह समस्या का समाधान है)। – R: जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है (यह प्लास्टिक के नकारात्मक प्रभावों का विस्तार है)। सही तार्किक क्रम Q–P–S–R बनता है।

अंतिम उत्तर: (A) QPSR

Answer: (A)

Q32.

Solution

संकल्पना: वाक्य संरचना में उद्देश्य (शिक्षा) और उसके व्यापक लक्ष्यों को क्रमानुसार व्यवस्थित करना आवश्यक है ताकि संदेश प्रभावशाली बने।

समाधान: तार्किक क्रम इस प्रकार है: 1. Q: शिक्षा का मुख्य उद्देश्य (विषय का परिचय)। 2. S: केवल उपाधियाँ प्राप्त करना नहीं (संकीर्ण सोच का निषेध)। 3. P: और देश के भविष्य को (जोड़ने वाला अव्यय)। 4. R: उज्ज्वल बनाना होना चाहिए (वाक्य की पूर्णता)। अतः सही क्रम Q–S–P–R है।

अंतिम उत्तर: (A) QSPR

Answer: (A)

Q33.

Solution

संकल्पना: इस प्रश्न में मनुष्य की विवशता को भाषा के अभाव के साथ जोड़ा गया है। विशेषण खंडों को संज्ञा के साथ उचित तालमेल में रखना अनिवार्य है।

समाधान: वाक्य की संरचना: – P: भाषा के बिना मनुष्य (मुख्य विषय)। – R: अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में (मुख्य क्रिया का पूरक)। – S: जो समाज में विचार–विमर्श और (कार्य का सामाजिक पक्ष)। – Q: एक असहाय प्राणी की भाँति है (तुलनात्मक निष्कर्ष)। सही प्रवाह P–R–S–Q के साथ एक अर्थपूर्ण विचार प्रस्तुत करता है।

अंतिम उत्तर: (A) PRSQ

Answer: (A)

Q34.

Solution

संकल्पना: वाक्य संरचना में सबसे पहले मुख्य कर्ता या उद्देश्य को ढूँढा जाता है, उसके बाद सहायक खंडों और अंत में क्रिया को व्यवस्थित किया जाता है।

समाधान: खंडों का तार्किक विश्लेषण: – P: मनुष्य की सफलता का आधार (मुख्य विषय)। – Q: उसके द्वारा किए गए कठिन परिश्रम (सफलता का पहला कारक)। – R: और उसकी अडिग इच्छाशक्ति में (सफलता का दूसरा कारक)। – S: ही सदैव निहित होता है (निष्कर्ष/क्रिया)। अतः सही क्रम P–Q–R–S है जो एक पूर्ण विचार प्रकट करता है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q35.

Solution

संकल्पना: भारतीय संस्कृति के आदर्शों को व्यक्त करने वाले इस वाक्य में क्रिया की निरंतरता और भाव के प्रवाह को ध्यान में रखना आवश्यक है।

समाधान: वाक्य की संरचना: – P: भारतीय संस्कृति ने सदैव ही (कर्ता और काल)। – Q: पूरे विश्व को एक परिवार मानकर (कार्य करने का ढंग)। – R: 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को (मुख्य कर्म)। – S: सर्वोपरि स्थान दिया है (पूर्ण क्रिया)। यह क्रम एक व्याकरणिक रूप से शुद्ध और अर्थपूर्ण वाक्य बनाता है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q36.

Solution

संकल्पना: इस प्रश्न में 'कारण और प्रभाव' का संबंध है। पहले समस्या का उल्लेख होता है और फिर उसके समाधान की आवश्यकता का।

समाधान: तार्किक क्रम इस प्रकार है: – P: प्रदूषण की समस्या आज (विषय की स्थिति)। – Q: एक विकराल रूप धारण कर चुकी है (समस्या की गंभीरता)। – R: जिसे समय रहते नियंत्रित करना (आवश्यक कदम)। – S: संपूर्ण मानवता के हित में है (कदम का महत्व)। दिए गए विकल्पों में P–Q–R–S सबसे सटीक और अर्थपूर्ण क्रम है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q37.

Solution

संकल्पना: वाक्य संरचना में ऐतिहासिक तथ्यों और उनके प्रभावों को क्रमानुसार व्यवस्थित करना होता है। यहाँ हिंदी साहित्य के कालखंड और भाषा के प्रभाव का वर्णन है।

समाधान: तार्किक विश्लेषण: – P: हिंदी साहित्य के विकास में (विषय का परिचय)। – Q: आधुनिक काल का विशेष महत्व है (विशिष्ट कालखंड का उल्लेख)। – R: जिसमें खड़ी बोली ने गद्य और पद्य (भाषा का प्रभाव)। – S: दोनों विधाओं को नई दिशा प्रदान की (निष्कर्ष)। यह क्रम व्याकरणिक रूप से एक सुसंगत वाक्य बनाता है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q38.

Solution

संकल्पना: उचित विशेषण का चुनाव संदर्भ के अनुसार किया जाता है। विद्वानों के लिए उच्च कोटि के सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग अनिवार्य है।

समाधान: दिए गए शब्दों का अर्थ: – लब्धप्रतिष्ठ: जिसे प्रतिष्ठा प्राप्त हो चुकी हो। – प्रतिष्ठित: सम्मानित। – प्रसिद्ध: जिसे सब जानते हों। चूँकि विद्वानों के लिए ये तीनों ही शब्द सकारात्मक और उपयुक्त हैं, इसलिए 'उपर्युक्त सभी' सही उत्तर है।

अंतिम उत्तर: (D) उपयुर्क्त सभी

Answer: (D)

Q39.

Solution

संकल्पना: वाक्य में क्रिया और कर्ता के संबंधों के आधार पर सही शब्द का चयन किया जाता है। अपराधी और न्यायालय के संदर्भ में न्यायसंगत शब्द 'दंड' है।
समाधान: न्यायालय की प्रक्रिया के अनुसार: – अपराधी को उसके अपराध के लिए हमेशा 'दंड' दिया जाता है। – पुरस्कार अच्छे कार्यों के लिए होता है, न्याय एक प्रक्रिया है, और उपदेश धार्मिक गुरु देते हैं। अतः 'दंड' ही यहाँ सर्वाधिक उपयुक्त शब्द है।
अंतिम उत्तर: (A) दंड

Answer: (A)

Q40.

Solution

संकल्पना: महापुरुषों के जीवन का वर्णन करने के लिए उनके चरित्र के अनुकूल सकारात्मक शब्दों (सद्गुणों) का प्रयोग किया जाता है।
समाधान: गांधी जी के सिद्धांतों के अनुसार: – शुचिता का अर्थ है पवित्रता और सादगी, जो उनके जीवन का मूल मंत्र था। – विलासिता (ऐश्वर्य), संकीर्णता (छोटापन) और अकर्मण्यता (आलस्य) उनके महान व्यक्तित्व के विपरीत अर्थ रखने वाले शब्द हैं।
अंतिम उत्तर: (B) शुचिता

Answer: (B)

Q41.

Solution

संकल्पना: साहित्यिक और बौद्धिक चर्चाओं में प्रयुक्त होने वाले शब्द सकारात्मक और रचनात्मक होने चाहिए। रिक्त स्थान की पूर्ति वाक्य के गौरव के अनुकूल होनी चाहिए।
समाधान: विद्वानों की चर्चा के संदर्भ में: – **मौलिक:** इसका अर्थ है स्व–रचित या वास्तविक विचार। विद्वानों से सदा मौलिक चिंतन की अपेक्षा की जाती है। – अनर्गल, निरर्थक और भ्रामक—ये तीनों शब्द तर्कहीन और आधारहीन बातों के लिए प्रयुक्त होते हैं, जो विद्वानों के व्यक्तित्व के साथ मेल नहीं खाते।
अंतिम उत्तर: मौलिक

Answer: (B)

Q42.

Solution

संकल्पना: यह वाक्य विज्ञान के 'वरदान और अभिशाप' के पहलू को दर्शाता है। जहाँ वाक्य में 'जहाँ... वहीं' का प्रयोग हो, वहाँ प्रायः परस्पर विरोधी भावों को रखा जाता है।

समाधान: वाक्य का विश्लेषण: – विज्ञान ने सुख–सुविधाएँ दी हैं (सकारात्मक पक्ष)। – इसके विपरीत, विज्ञान ने मनुष्य को आत्म–केंद्रित और अहंकारी बनाया है। – **अहमवाद:** विज्ञान के कारण बढ़ी शक्ति से मनुष्य में 'अहं' का भाव जागृत हुआ है। – परोपकार, सहानुभूति और संतोष—ये मानवीय गुण हैं, जो विज्ञान के भौतिकवादी पक्ष के साथ विरोधाभास नहीं पैदा करते।

अंतिम उत्तर: अहमवाद

Answer: (B)

Q43.

Solution

संकल्पना: मुहावरे भाषा को प्रभावशाली और लाक्षणिक बनाने का कार्य करते हैं। इनका अर्थ शाब्दिक न होकर विशेष अर्थ की ओर संकेत करता है।

समाधान: मुहावरों का सटीक मिलान इस प्रकार है:

- इतिश्री होना: प्राचीन ग्रंथों की समाप्ति पर 'इति' लिखा जाता था, जिसका अर्थ है 'समाप्त होना'।
- श्री गणेश करना: किसी कार्य के मंगल आरंभ के लिए प्रयुक्त होता है।
- आँखों का तारा: अत्यंत प्रिय व्यक्ति के लिए प्रयुक्त उपमा।
- गागर में सागर भरना: बिहारी जैसे कवियों के लिए प्रसिद्ध, जिसका अर्थ है कम शब्दों में बहुत बड़ी बात कहना।

अतः विकल्प (A) सही मिलान प्रदर्शित करता है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(iii), 3–(i), 4–(iv)

Answer: (A)

Q44.

Solution

संकल्पना: संधि दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को कहते हैं। स्वर संधि के पाँच प्रमुख प्रकार हैं, जबकि विसर्ग के मेल से विसर्ग संधि बनती है।
समाधान: शब्दों का संधि विच्छेद और प्रकार:

- हिमालय: हिम + आलय = अ + आ मिलकर 'आ' (दीर्घ) हो गए।
- परोपकार: पर + उपकार = अ + उ मिलकर 'ओ' (गुण) हो गए।
- प्रत्येक: प्रति + एक = इ + ए मिलकर 'य' (यण) बन गए।
- निश्चल: निः + चल = विसर्ग (:) के बाद 'च' आने पर वह 'श्' में परिवर्तित हो गया।

अतः मिलान का सही क्रम 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i) है।
अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i)

Answer: (A)

Q45.

Solution

संकल्पना: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग भाषा को संक्षिप्त, सुंदर और सुगठित बनाने के लिए किया जाता है।
समाधान: वाक्यांशों का सटीक मिलान इस प्रकार है:

- जो कभी न मरे: अमर (मरणशील का विलोम)।
- जिसे जीता न जा सके: अजेय (जिस पर विजय प्राप्त करना असंभव हो)।
- जानने की इच्छा रखने वाला: जिज्ञासु (ज्ञान का आकांक्षी)।
- जिसे जाना न जा सके: अज्ञेय (जो बुद्धि या इंद्रियों की सीमा से परे हो)।

अतः विकल्प (A) सही मिलान है।
अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

Answer: (A)

Q46.

Solution

संकल्पना: तत्सम शब्द संस्कृत के वे शब्द हैं जो हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के आए हैं, जबकि तद्भव शब्द समय के साथ बदलकर सरल हो गए हैं।

समाधान: शब्दों का सही परिवर्तन क्रम:

- अग्नि: यह तत्सम है, जिसका तद्भव रूप 'आग' है।
- आम्र: यह तत्सम है, जिसका तद्भव रूप 'आम' है।
- अक्षि: यह तत्सम है, जिसका तद्भव रूप 'आँख' है।
- मयूर: यह तत्सम है, जिसका तद्भव रूप 'मोर' है।

अतः मिलान का सही विकल्प (A) है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(iii), 2–(i), 3–(ii), 4–(iv)

Answer: (A)

Q47.

Solution

संकल्पना: समास का अर्थ है 'संक्षेपीकरण'। दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से जब एक नया शब्द बनता है, तो उस प्रक्रिया को समास कहते हैं। इसके मुख्य छह भेद होते हैं।

समाधान: दिए गए शब्दों का सामासिक विग्रह और भेद इस प्रकार है:

- रातों–रात: रात ही रात में। जहाँ एक ही शब्द की आवृत्ति हो, वह 'अव्ययीभाव' होता है।
- पंचवटी: पाँच वटों का समाहार। जहाँ प्रथम पद संख्या बताए, वह 'द्विगु' होता है।
- भाई–बहन: भाई और बहन। जहाँ दोनों पद समान रूप से प्रधान हों और 'और' का लोप हो, वह 'द्वंद्व' है।
- लंबोदर: लंबा है उदर (पेट) जिनका (गणेश)। जहाँ पद अपने अर्थ को छोड़कर किसी विशेष व्यक्ति की ओर संकेत करें, वह 'बहुव्रीहि' है।

अतः विकल्प (A) सही मिलान है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(iii), 2–(i), 3–(ii), 4–(iv)

Answer: (A)

Q48.

Solution

संकल्पना: लोकोक्तियाँ लोक–अनुभव पर आधारित होती हैं। 'आरसी' का अर्थ 'दर्पण' (शीशा) होता है। हाथ में पहने कंगन को देखने के लिए दर्पण की जरूरत नहीं पड़ती।

समाधान: इस लोकोक्ति का पूरा रूप है—'हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या'। इसका अर्थ यह है कि जो तथ्य बिल्कुल साफ और सामने है, उसे साबित करने के लिए किसी बाहरी सबूत या गवाही की जरूरत नहीं होती। अतः 'प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं' इसका सही अर्थ है।

अंतिम उत्तर: प्रत् यक्ष कोप्र माण की आवश्यकता नहीं

Answer: (A)

Q49.

Solution

संकल्पना: मुहावरे भाषा में सजीवता लाते हैं। 'आकाश–पाताल एक करना' एक अति–शयोक्तिपूर्ण मुहावरा है जो प्रयास की पराकाष्ठा को दर्शाता है।
समाधान: जब कोई व्यक्ति किसी कार्य की सिद्धि के लिए दिन–रात एक कर देता है और अपनी सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास करता है, तब इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है। इसका अर्थ ऊँचा उड़ने या यात्रा करने से नहीं, बल्कि 'घोर परिश्रम' करने से है। उदाहरण: परीक्षा में प्रथम आने के लिए छात्र ने आकाश–पाताल एक कर दिया।
अंतिम उत्तर: बहुत परिश्रम करना

Answer: (A)

Q50.

Solution

संकल्पना: लोकोक्तियाँ समाज के संचित अनुभवों का निचोड़ होती हैं। यह लोकोक्ति ईमानदारी और विश्वसनीयता के महत्व को रेखांकित करती है।
समाधान: लकड़ी (काठ) की हांडी यदि आग पर रखी जाए, तो वह जल जाएगी। इसी प्रकार, यदि कोई व्यक्ति छल या धोखे से अपना काम निकालता है, तो वह केवल एक बार सफल हो सकता है। जब उसकी असलियत सामने आ जाती है, तो दोबारा उसका छल काम नहीं आता। अतः इसका अर्थ है कि कपटपूर्ण व्यवहार सदैव सफल नहीं होता।
अंतिम उत्तर: छल–कपट का व्यवहार हमेशा नहीं चलता

Answer: (A)

Answer Key

Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans
1	B	2	B	3	C	4	B	5	B
6	C	7	B	8	B	9	C	10	A
11	B	12	B	13	B	14	B	15	B
16	B	17	A	18	B	19	B	20	A
21	C	22	D	23	B	24	B	25	A
26	C	27	B	28	B	29	A	30	C
31	A	32	A	33	A	34	A	35	A
36	A	37	A	38	D	39	A	40	B
41	B	42	B	43	A	44	A	45	A
46	A	47	A	48	A	49	A	50	A